## ( १२६ )

## खमाज-त्रिताल ( मध्यलय ).

## स्थायी.

	पि रे		
सा सा ग ग	ममग-	मप – ग	म ग
ऋ रेम न	प रे म म ग – ह र सों ऽ भ नि भ प ता ऽ सा हि सं	करें 5 तु	प्रीऽऽत
× नि	₹	•	३ सां
घ नि घप	घ नि घ प	प सां नि सां	ध नि ध –
मा ऽ त वि	ता ऽ सा हि	ऋ खिल ज	गतको ऽ
×	<del>؟</del>	•	₹
गम पध	ता 5 सा हि सां नि – ध प मैं 5 ना 5 २	प गमप —	ध (म) - ग
ऋं ऽतस	मैं ऽ ना ऽ	दूऽ जोऽ	को मी ऽ त
×	र	•	र ३

## श्रन्तरा.

म ग	म	<u>नि</u> ध	नि	सां नि सां — सा ऽ रा ऽ २	<sub>सां</sub> नि – सां सां	(सां) - नि ध
य ×	ह	सं	2	सा <b>ऽ रा ऽ</b> २	भू ऽ ठप	सा ऽ राऽ
ग	म	प	ध	सां निध प	<sup>प</sup> गमप-	ध (म) — <b>ग</b>
₹ ×	₹	रं	ग	र सां <u>नि</u> ध प क हे जुंऽ २	सिकताऽ	कि भी ऽत। ३